अध्याय
03

समकालीन विश्व में अमेरिकी वर्चस्व

सीखने के प्रतिफल

इस अध्याय में छात्र अमेरिका शीत युद्ध के बाद कैसे एक महाशक्ति बना इस बारे में जानेंगे।

परिचय

वर्चस्व **(Hegemony) शब्द का इस्तेमाल प्राचीन यूनान में एथेंस की प्रधानता** को चिन्हित करने के लिए किया जाता था।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में ताकत का एक ही केंद्र हो तो उसे वर्चस्व शब्द के इस्तेमाल से वर्णित करना ज्यादा उचित है। वर्चस्वशील देश की सैन्य शक्ति अजेय होती है।

अमेरिका का महाशक्ति के रूप में वर्चस्वशाली होना

- वर्ष 1991ई० में सोवियत संघ (USSR) के विघटन के बाद अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अमेरिका का दबदबा बढ़ गया।
- प्रथम खाड़ी युद्ध में अमेरिका की सैन्य शक्ति तथा अन्य देशों के मध्य ताकत का अंतर पता चला।
- अमेरिका ने स्मार्ट बमों द्वारा कंप्यूटर युद्ध के लिए भी प्रेरित किया।

ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म (प्रथम खाड़ी युद्ध)

अगस्त 1990 में 34 देशों ने मिलकर इराक के खिलाफ **ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म** नाम से एक सैनिक अभियान शुरू किया। इस अभियान की अगुवाई अमेरिका कर रहा था।इस अभियान में 75 प्रतिशत सैनिक अमेरिका के थे। इराक की हार हुई और उसे कुवैत से हटना पड़ा।

ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच

वर्ष 1998 में नैरोबी (केन्या) और दारे-सलाम (तंजानिया) में अमेरिकी दूतावास पर अलकायदा ने बमबारी की। अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सूडान और अफगानिस्तान के अलकायदा के ठिकानों पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। अमेरिका ने इस सैनिक अभियान को **ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच** का नाम दिया। इस सैनिक अभियान के लिए अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र संघ से कोई अनुमति नहीं ली।

© JCERT not to be republished

ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम

- 11 सितंबर 2001 को आतंकवादी संगठन अलकायदा ने अमेरिका के **वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और रक्षा मुख्यालय पेंटागन** पर हवाई हमला किया। इसे हमले को **नाइन एलेवन** भी कहा जाता है। इस हमले में अमेरिका के 3 हज़ार से अधिक नागरिक मारे गए।
- अमेरिका ने **अलकायदा** और अफगानिस्तान के **तालिबानी शासन** के खिलाफ़ **ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम** चलाया। इस समय **अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश (जूनियर)** थे।
- कई संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार करके अमरीकी नौसेना के **ग्वांतानामो बे जेल** में रखा गया जहाँ बंदियो को अंतर्राष्ट्रीय क़ानून की सुरक्षा प्राप्त नही थी।

ऑपरेशन इराकी फ्रीडम

- वर्ष 2003 में अमेरिका ने **"ऑपरेशन इराकी फ्रीडम"** के कूटनाम से इराक पर सैन्य-हमला किया।
- संयुक्त राष्ट्र संघ ने इराक पर हमले की अनुमति नहीं दी।
- अमेरिका ने सिर्फ दिखावे के लिए कहा कि सामूहिक संहार के हथियार बनाने से रोकने के लिए इराक पर हमला किया गया है। जबकि वास्तविक उद्देश्य इराक के तेल-भंडार पर नियंत्रण करना था।

अमेरिकी वर्चस्व के मुख्यत तीन प्रकार

सैनिक वर्चस्व

अमेरिका के सैन्य शक्ति विश्व में सबसे मजबूत है। संख्यात्मक तथा गुणात्मक दोनो रूपों में ही विश्व मे अपना वर्चस्व बनाए हुए है। जैसे नाटो (NATO) एक सैनिक संगठन के रूप में अमेरिका के नेतृत्व में संगठित है।

आर्थिक वर्चस्व

अमेरिकी डॉलर विश्व की सबसे शक्तिशाली मुद्राओं में से एक है। विश्व के सभी संस्थानों में अमेरिका की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिकी नौसेना ही समुद्री व्यापार- मार्गों पर आवाजाही के नियम तय करता है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), **विश्व बैंक** और **विश्व व्यापार संगठन** (WTO) की स्थापना में सहयोग देना।

विश्व के कुल व्यापार में अमेरिका की लगभग 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

विज्ञान प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के क्षेत्र में अमेरिका सर्वोच्च स्थान पर है।

सांस्कृतिक वर्चस्व

अमेरिका की संस्कृति बहुत ही लुभावनी है इसी कारण से इसकी संस्कृति से बहुत देश प्रभावित हुए।

जैसे रहन -सहन का तरीका, जीवन जीने की शैली

© JCERT not to be republished

नीली जीन्स पेंट का प्रयोग करना जो सोवियत संघ समेत अन्य देशों में अच्छे जीवन आकांक्षा की प्रतीक बन गई थी।

अमेरिका सांस्कृतिक उत्पाद के निर्माण में अन्य देशों से काफी आगे रहा।

अमेरिकी शक्ति के रास्ते में बाधा (अवरोध)

इतिहास बताता है कि साम्राज्यों का पतन उनकी अंदरूनी कमजोरियों के कारण होता है।

अमेरिकी शक्ति के रास्ते में तीन अवरोध है-

1. पहला व्यवधान **अमेरिका की संस्थागत बुनावट है।** यहां शासन के तीन अंगों के बीच शक्ति का बंटवारा है और यही बुनावट कार्यपालिका द्वारा सैन्य शक्ति के बेलगाम इस्तेमाल पर अंकुश लगाने काम करती है।

2. दूसरा व्यवधान है अमेरिका में जनसंचार के साधन समय-समय पर वहां के जनमत को खास दिशा में परिवर्तन करने की कोशिश करनी पड़ती है।

3. तीसरा व्यवधान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। आज अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक संगठन है जो संभवत अमेरिकी शक्ति पर लगाम लगा सकता है और **इस संगठन का नाम है ना**टो। इस बात से यह आशंका लगायी जा सकती है कि नाटो में सम्मिलित अन्य देश जो अमेरिका के साथी हैं वे उसके वर्चस्व पे लगाम लगा सकते है।

नाटो की स्थापना **वर्ष 1949** ई० में की गई थी। यह एक सैन्य गठबंधन है।

अमेरिका से भारत के संबंध

1. भारत ने वर्ष 1991 ई० में अपनी वैश्विक अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करने तथा उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का भी फैसला किया। उसके बाद भारत अमेरिका सहित कई देशों का आकर्षक आर्थिक सहयोगी बन गया है।

2. भारत-अमेरिका संबंधों के बीच दो नई बातें उभरी है। इन बातों का संबंध प्रौद्योगिकी और अमेरिका में बसे अनिवासी भारतीयों (NRI) से हैं।

3. सॉफ्टवेर क्षेत्र में भारत के कुल निर्यात का 65 प्रतिशत अमेरिका को जाता है।

4. 3 लाख भारतीय "सिलिकॉन वैली" में काम करते है। सिलिकॉन वैली उत्तरी कैलिफ़ोर्निया में स्थित है।

5. बोइंग के 35 प्रतिशत तकनीकी कर्मचारी भारतीय मूल के है।

7. भारत और अमेरिका के बीच संबंध इतने जटिल है कि अमेरिका से निर्वाह करने के लिए भारत को विदेश नीति की कई रणनीतियों का एक समुचित मेल तैयार करना होगा।

बैंडवैगन नीति

सबसे ताकतवर देश के विरुद्ध जाने की बजाय उसके वर्चस्व तंत्र में रहते हुए अवसरों का लाभ लेना।

इसे "जैसी बहे बयार पीठ तैसी कीजिये" अथार्त बैंड वैगन नीति कहते है।

© JCERT not to be republished

अभ्यास के प्रश्न
बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1. प्रथम खाड़ी युद्ध कब हुआ था?

a. 1990 b. 1991

c. 1995 d. 1999

प्रश्न 2. सोवियत संघ का विघटन कब हुआ?

a. 993 b. 1995

c. 1997 d. 1991

प्रश्न 3. सिलिकॉन वैली अमेरिका के किस शहर में है?

a. शिकागो b. न्यूयॉर्क

c. कैलिफ़ोर्निया d. कनाडा

प्रश्न 4. ऑपरेशन इराकी फ्रीडम सैन्य अभियान किस वर्ष किया गया था?

a. 2003 b. 2004

c. 2005 d. 2006

प्रश्न 5. अमेरिका का रक्षा मुख्यालय कहां पर है?

a. वाशिंगटन b. एरिजोना

c. पेंटागन d. अल्बानिया

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 6. ऑपरेशन इनफाइनाइट रीच क्या था?

प्रश्न 7. बैंडवैगन नीति के बारे में लिखिए।

प्रश्न 8. अमेरिका के आर्थिक वर्चस्व को समझाइए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 9. अमेरिका द्वारा 1990 से 2003 तक किए गए सैन्य अभियानों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 10. अमेरिका - भारत संबंधों पर चर्चा कीजिए।

© JCERT not to be republished